स्पंज आयरन और री-रोलिंग मिलों पर बकाया ऋण

731. **दिलीप सिंह जूदेव:** क्या **इस्पात** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) मध्य प्रदेश में बंद पड़े प्रत्येक आयरन और री-रोलिंग मिल पर बैंकों, सरकारी क्षेत्र की वित्तीय संस्थाओं और औद्योगिक वित्तीय निगमों के ऋण एवं ब्याज की कितनी-कितनी धनराशि बकाया है;

(ख) प्रत्येक मिल पर उक्त राशि कब से बकाया है; और

(ग) ऋण और ब्याज की बकाया राशि का वसूली के लिए 3 नवम्बर, 1995 तक क्या कार्यवाही की गई?

इस्पात मंत्री तथा खान मंत्री (श्री वीरेन्द्र प्रसाद वैश्य): (क) से (ग) सूचना एकत्र की जा रही है और सभा-पटल पर रख दी जाएगी।

Setting up of Tobacco Stabilization Fund

732. SHRI V. HANUMANTHA RAO: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether Government have received a demand to pay higher prices for tobacco;

(b) if so, whether there is any proposal to form the Tabacco Stabilization Fund; and

(c) by when this stabilization fund will be established?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI BOLLA BULLI RAMAIAH): (a) Yes, Sir.

(b) and (c) Tabacco Board was provided a corpus of Rs. 1.25 crores as margin money in 1984 for undertaking price support operations. When the prices of tobacco falls below the Minimum Support price notified by the Government, price support operations are undertaken by the Tobacco Board to stabilise the market to protect the interest of the growers.

Increase in foreign equity share

733. DR. GOPALRAO VITHALRAO PATIL: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether Government have taken a decision to increase foreign equity share from the present 51% to 74%; and

(b) if so, the response from the MNCs thereto?

THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI MURASOLI MARAN): (a) No Sir, with regard to automatic approval route by RBI.

(b) In view of reply to (a) above, does not arise.

मध्य प्रदेश को कतिपय अनुसूचित जनजातियों को कुछ अन्य राज्यों में अनुसूचित जातियों के रूप में सूचीबद्ध किया जाना

734. **श्री जगन्नाथ सिंह:** क्या **कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि मध्य प्रदेश में जिन जातियों को अनुसूचित जनजातियों की श्रेणी में रखा गया है उन्हीं जातियों को उत्तर प्रदेश, बिहार और अन्य राज्यों में अनुसूचित जातियों की श्रेणी में रखा गया है; और

(ख) यदि हां, तो किसी जाति को अनुसूचित जाति की श्रेणी में रखने हेतु किन-किन परिस्थितियों को आधार माना गया है और तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

कल्याण मंत्री (श्री बलवन्त सिंह रामूवालिया): (क) मध्य प्रदेश के संबंध में, अनुसूचित जनजातियों की सूची की कुछ प्रविष्टियां कुछ अन्य राज्यों, जैसे उत्तर प्रदेश तथा उड़ीसा की अनुसूचित जातियों की सूचियों में भी अंकित हैं, किन्तु बिहार की सूची में नहीं है;

(ख) कुछ विशेष राज्यों/संघ शासित प्रदेशों के संबंध में अस्पृश्यता की पारम्परिक प्रथा से उत्पन्न अत्यन्त सामाजिक, शैक्षिक तथा आर्थिक पिछड़ेपन के मानदंडों के आधार पर समुदायों को अनुसूचित जातियों के रूप में विनिर्दिष्ट किया जाता है।